(c) No formal agreement was arrived at. The U. S. S. R. Government have promised active support and cooperation furthering mining and metallurgical developments in India.

The Report of the Team has just been received and is under consideration.

Condition of Service of Workers under Coalfield Recruiting Organisation

*554. SHRI S. P. BHATTACHARYYA: Will the Minister of LABOUR AND REHABILITATION be pleased to state :

(a) the terms and conditions of service of workers working under Coalfield Recruiting Organisation System ;

(b) whether the Coalfield Recruiting Organisation workers are getting the same facilities as that of the civil workers ; and

(c) if not, the reasons therefor ?

THE MINISTER OF LABOUR AND REHABILITATION (SHRI R K. KHADILKAR): (a) to (c). Information is being collected and will be laid on the Table of the House after it is received.

कृषि अनुसन्धान के बारे में भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद् द्वारा तैयार की गयी नई योजना

*555. **श्री रामावतार शास्त्री** : क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद् ने कृषि अनुसन्धान के लिये एक नई योजना तैयार की है;

(ख) यदि हां, तो उसकी मुख्य बातें क्या हैं; और

(ग) इस योजना से देश को किस प्रकार का तथा किस सीमा तक लाभ होने की सम्भावना है ?

कृषि मंत्रालय में राज्य मन्त्री (श्री अण्णासाहिब पी. शिन्दे) : (क) से (ग). एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है ।

विवरण

यह कहना ठीक नहीं होगा कि भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद् ने कृषि अनुसन्धान की एक नयी योजना तैयार की है किन्तु प्रमुख समस्याओं के प्रति एक नया राष्ट्रीय दृष्टिकोण अपनाया गया है । आजकल भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद् फसलवार तथा विषयवार और देश के लिये आर्थिक दृष्टि से महत्वपूर्ण पशुओं के सम्बन्ध में बहुत सी अखिल भारतीय समन्वित अनुसन्धान परियोजनायें प्रारम्भ कर रही है । इन परियोजनाओं के अधीन केन्द्रीय संस्थान, राज्य एजेन्सियां तथा अन्य समस्त अनुसन्धान संगठन (कृषि विश्वविद्यालयों सहित) पारस्परिक सहयोग से कार्य करते हैं, जिससे कि समग्र देश में उपलब्ध वर्तमान सुविधाओं का उपयोग करते हुये तथा उन्हें कार्यक्रम की आवश्यकताओं के अनुसार सुदृढ बनाते हुये और निरर्थक द्विरावृत्तियों को दूर करते हुये, संभावित कम से कम अवधि में अधिक से अधिक लाभ प्राप्त किया जा सके । पुनरीक्षण अधिवेशनों अथवा कर्मशालाओं में जिनमें अनुसन्धान कार्यकर्ता प्रत्येक मौसम में भाग लेते हैं, अनुसन्धान जानकारी तथा पौध प्रजनन सामग्री के पारस्परिक निर्बाध आदान-प्रदान ने अनुसन्धान कार्य की प्रगति को काफी तीव्र कर दिया है । इन उपायों के फलस्वरूप नयी अधिक उत्पादनशील तथा संकर किस्में अब बहुत ही कम समय में उपलब्ध हो रही हैं ।

एक आम शिकायत यह भी है कि अनुसन्धान का लाभ प्रायः सिंचित क्षेत्र तथा निश्चित वर्षा वाले क्षेत्रों के कृषकों को ही पहुंचा